प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना

फाइनेंसियल एक्सप्रेस, द न्यू इंडियन एक्सप्रेस (23 Nov.)

संदर्भ

- हाल ही में वित्तीय समावेश के लिए तकनीक का उपयोग करने वाले डिजिटल वित्तीय समावेश केंद्र (Centre for Digital Financial Inclusion – CDFI) ने एक डाटा निर्गत किया है।
- इसके अनुसार सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत अर्हता प्राप्त माताओं को प्रत्यक्ष लाभ स्थानान्तरण द्वारा अब तक 1,600 करोड़ रुपये स्थानांतरित किये गये हैं। ऐसी माताओं की कुल संख्या 48.5 लाख है।

CDFI क्या है?

- CDFI एक लाभ-रहित संगठन है। इसी ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना- सामान्य ऐप सॉफ्टवेयर (PMMVY-CAS) की अभिकल्पना और रूपांकन किया था और इसी के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ का भुगतान होता है।

PMMVY क्या है?

- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एक मातृत्व लाभ की योजना है।
- इसका आरम्भ वर्ष 2010 में इंदिरा गाँधी मातृत्व सहयोग योजना के नाम से (IGMSY) हुआ था।
- इस योजना के अंतर्गत पहले बच्चे के जन्म के लिए 19 वर्ष अथवा उससे अधिक उम्र की गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को नकद राशि दी जाती है।
- इस राशि से बच्चा होने और उसकी देखभाल करने के कारण दिहाड़ी की क्षति का सामना करने वाली महिला को आंशिक क्षतिपूर्ति दी जाती है।

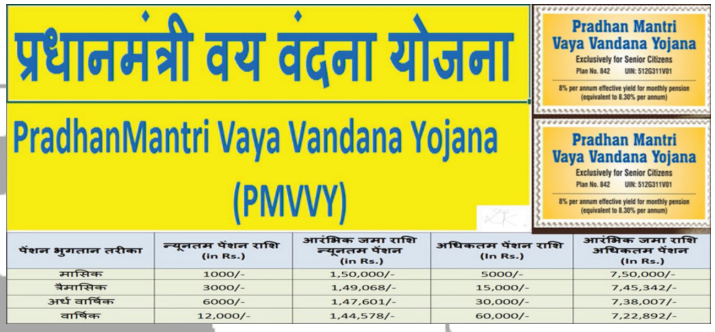

पेंशन भुगतान तरीका	न्यूनतम पेंशन राशि (in Rs.)	आरंभिक जमा राशि न्यूनतम पेंशन (in Rs.)	अधिकतम पेंशन राशि (in Rs.)	आरंभिक जमा राशि अधिकतम पेंशन (in Rs.)
मासिक	1000/-	1,50,000/-	5000/-	7,50,000/-
त्रैमासिक	3000/-	1,49,068/-	15,000/-	7,45,342/-
अर्धे वार्षिक	6000/-	1,47,601/-	30,000/-	7,38,007/-
वार्षिक	12,000/-	1,44,578/-	60,000/-	7,22,892/-

- साथ ही इससे सुरक्षित प्रसव और उत्तम पोषण का प्रबंध किया जाता है।
- **अपवाद :** जो महिलाएँ केंद्र सरकार अथवा राज्य सरकार अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में काम करती हैं अथवा जिन्हें इसी प्रकार का लाभ पहले से मिल रहा है, उनको इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा।
- **वित्त पोषण :** यह एक केंद्र संपोषित योजना है जिसमें केंद्र और राज्य की लागत 60:40 होती है। पूर्वोत्तर राज्यों में और तीन हिमालयवर्ती राज्यों में यह अनुपात 90:10 है। जिन केंद्र शाषित क्षेत्रों में विधान सभा नहीं है वहाँ इस योजना के लिए केन्द्रीय योगदान 100% होता है।

महत्त्व

- महिलाओं में कुपोषण की समस्या आज भी व्याप्त है। भारत में हर तीसरी महिला कुपोषित है और हर दूसरी महिला में रक्ताल्पता की शिकायत है।

- कुपोषित महिला से जन्मे बच्चे का भार भी कम होता है। जब बच्चा पेट में है, उसी समय से पोषाहार मिले तो इसका लाभ बच्चे को जीवन-भर के लिए मिल जाता है।
- यह योजना इसी समस्या को केंद्र में रखकर पोषाहार पर विशेष बल देती है।

ओपन ट्रांसिट डाटा

द हिन्दू, लाइव मिंट (23 Nov.)

संदर्भ

- हाल ही में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए परिवहन से जुड़े समाधान उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने ओपन ट्रांसिट डाटा नामक एक डिजिटल मंच का अनावरण किया है जो आँकड़ों का क्षण-प्रतिक्षण का डाटा नि:शुल्क देगा।

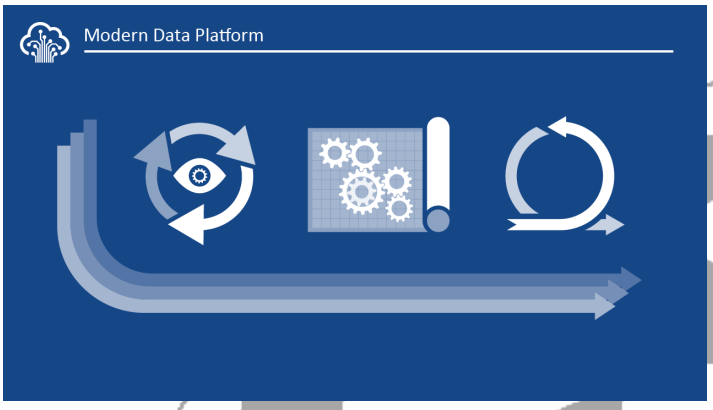

क्या है?

- इस मंच का उद्देश्य ऐसा क्षण-प्रतिक्षण का डाटा उपलब्ध कराना है जिसका उपयोग तृतीय पक्ष के ऐप बनाने वाले और अनुसन्धानकर्ता कर सकते हैं।
- यह मंच जो डाटा उपलब्ध कराएगा उनमें कुछ ये हैं- सभी बस स्टॉपों, रास्तों के नक्शे, समयसारिणी और बसों की GPS स्थिति जिसे हर 10 सेकंड पर अपडेट किया जाएगा।
- इस पोर्टल का रूपांकन और निर्माण दिल्ली सरकार की ओर से IIIT दिल्ली ने किया है।

महत्व

- यह पोर्टल दिल्ली के लोगों के लिए नए-नए और समावेशी परिवहन समाधानों की रचना को बढ़ावा देगा।
- इससे लोगों को ढेर सारी परिवहन से सम्बंधित जानकारियाँ मिल सकेंगी और लोगों में सार्वजनिक यातायात की ओर रुझान बढ़ेगा। यदि ऐसा हुआ तो इसका अच्छा प्रवाह प्रदूषण पर भी पड़ेगा।

ACROSS योजना

पीआईबी, पायनियर (23 Nov.)

संदर्भ

- हाल ही में बहु-आयामी योजना 'एटमोस्फेयर एंड क्लाइमेट रिसर्च-मॉडलिंग आबर्जविंग सिस्टम्स एंड सर्विसेज' (एसीआरओएसएस) या ACROSS के अंदर आने वाली नौ उपयोजनाओं को 2017-2020 की अवधि में चलाते रहने के प्रस्ताव को केन्द्रीय समिति ने अपना अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

क्या है?

- यह योजना पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के वायुमंडल विज्ञान कार्यक्रमों का एक हिस्सा है।
- इस योजना के अंदर मौसम एवं जलवायु सेवाओं के विभिन्न पहलुओं पर काम होता है, जैसे- चक्रवात, आँधी, लू, बवंडर आदि की चेतावनी देना।
- इस योजना के कार्यान्वयन में कई वैज्ञानिक एवं तकनीकी कर्मचारियों की आवश्यकता होगी जिस कारण रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
- इस योजना के कार्यान्वयन से कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि विश्वविद्यालयों और नगरपालिकाओं में भी योग्य व्यक्तियों को नियुक्त करने की व्यवस्था होगी। इस प्रकार रोजगार सृजन में यह योजना सहायक होगी।
- ये सभी कार्य बहु-आयामी ACROSS योजना के 9 उपयोजनाओं के अन्दर आते हैं।

- इस योजना का लक्ष्य विश्वसनीय मौसम एवं जलवायु पूर्वानुमान की सुविधा देना है जिससे कि समाज उसका लाभ उठा सके।

मुख्य बिंदु

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय को यह काम सौंपा गया है कि वह ऐसे अनुसंधान और विकासात्मक गतिविधियाँ करे।
- इससे मौसम, जलवायु और प्राकृतिक विपदा से सम्बंधित घटनाओं का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता में सुधार होगा।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने इस दिशा में कई पहलें की हैं और कई विशेष योजनाएँ बनाई हैं, जैसे- मौसम एवं जलवायु का मॉडल तैयार करना, मानसून पर अनुसंधान करना आदि।
- ये योजनाएँ कई संस्थानों में चलाई जायेंगी और हर संस्थान को कार्य के सम्पादन के लिए अलग-अलग भूमिका दी जाएगी।

सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशा विधेयक, 2018

फाइनेंसियल एक्सप्रेस (24 Nov.)

संदर्भ

- हाल ही में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशा विधेयक, 2018 को स्वीकृति दे दी है।
- यह सम्बद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा प्रोफेशनलों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा एवं सेवाओं के नियमन और मानकीकरण के लिए है।

मुख्य बिंदु

- इस विधेयक के अनुसार केंद्र और राज्यों में सम्बद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा परिषदें स्थापित की जायेंगी।
- इन परिषदों के कार्य ये होंगे- नीतियों और मानकों का निर्धारण, पेशेवर आचरण के लिए नियम बनाना, पंजियाँ बनाना एवं उनका संधारण करना, पेशे में प्रवेश के लिए और उससे निकलने के लिए दोनों प्रकार की सामान्य परीक्षाओं का प्रावधान करना।
- केन्द्रीय परिषद् में 47 सदस्य होंगे जिनमें से 14 सदस्य पदेन होंगे और शेष 33 सदस्य 15 पेशा श्रेणियों से आने वाले अपदेन सदस्य होंगे।
- राज्य परिषदों में 7 पदेन और 21 अपदेन सदस्य तथा 1 अध्यक्ष होंगे। यह अध्यक्ष अपदेन सदस्यों के बीच में से चुना जाएगा।
- केन्द्रीय और राज्य दोनों परिषदों में पेशेवर परामर्शी निकाय भी होंगे जिनका काम स्वतंत्र रूप से समस्याओं का परीक्षण करना और इनके समाधान के लिए अनुशंसा करना होगा।
- विधेयक के नियम पहले से चल रहे किसी भी कानून से ऊपर माने जायेंगे।

- सम्बद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को मान्यता देना राज्य परिषदों का काम होगा।
- गलत कामों को रोकने के लिए विधेयक में अपराध और दंड के विषय में आवश्यक प्रावधान किये गये हैं।
- यह विधेयक केंद्र और राज्य सरकारों को भी नियम बनाने की शक्ति देता है।
- केंद्र सरकार को यह शक्ति होगी कि वह परिषद् को नियम बनाने और अनुसूची में जोड़-घटाव करने के लिए निर्देश दे सकेगा।

उद्देश्य

- इस विधेयक का उद्देश्य मुहैया कराई जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी प्रणाली को मजबूत बनाना है, अतः यह कहा जा सकता है कि इस विधेयक से देश की सम्पूर्ण जनसंख्या और समूचा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र लाभान्वित होगा।

व्यय अनुमान

- प्रथम चार वर्षों में कुल लागत 95 करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है।
- कुल बजट का लगभग 80% (अर्थात् 75 करोड़ रुपये) राज्यों के लिए निर्धारित किया जा रहा है, जबकि शेष राशि के जरिए 4 वर्षों तक केन्द्रीय परिषद् के परिचालन के साथ-साथ केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय रजिस्टरों को तैयार करने में सहयोग के रूप में दिया जाएगा।

लाभार्थियों की संख्या

- एक अनुमान के मुताबिक इस विधेयक से देश में प्रत्यक्ष तौर पर लगभग 8-9 लाख वर्तमान सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा संबंधी पेशेवर और हर वर्ष कार्यबल में बड़ी संख्या में सम्मिलित होने वाले एवं स्वास्थ्य प्रणाली में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले अन्य स्नातक पेशेवर लाभान्वित होंगे।

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में भारतीय प्राणि सर्वेक्षण (Zoological Survey of India – ZSI) ने एक प्रतिवेदन प्रकाशित किया है जिसका नाम है- "Faunal Diversity of Biogeographic Zones% Islands of India".
- इस प्रतिवेदन में अंडमान-निकोबार द्वीपसमूहों में पाई जाने वाली सभी पशु प्रजातियों का डाटाबेस पहली बार दिया गया है।

मुख्य बिंदु

- पशु प्रजातियों की बहुलता : यद्यपि अंडमान निकोबार द्वीपसमूह भारत के भूभाग का मात्र 0.25% है तथापि यहाँ देश की पशु-प्रजातियों का 10% से अधिक भाग निवास करता है।
- प्रतिवेदन के अनुसार इस द्वीपसमूह में कुल मिलाकर 11,009 प्रजातियाँ रहती हैं।
- स्थानिक प्रजातियाँ : कुछ पशु-पक्षी ऐसे हैं जो मात्र अंडमान-निकोबार में पाए जाते हैं।

इनमें से एक है Narcondam hornbill-

- एक और ऐसा पक्षी है Nicobar megapode जो भूमि पर घोसला बनाने वाली चिड़ियाँ है।
- इसी प्रकार छछूँदर जैसा छोटा पशु है जिसका नाम Nicobar treeshrew है। अन्य स्थानिक प्राजातियों में से कुछ हैं- बड़ी पूँछ वाला Nicobar macaque और Andaman day gecko.
- असल में ऐसे पशु-पक्षियों की संख्या 1,067 है जो केवल यहीं पाई जाती हैं, अन्यत्र कहीं नहीं। यहाँ 23 प्रकार सरीसृप पाए जाते हैं जिनमें 8 स्थानिक हैं।

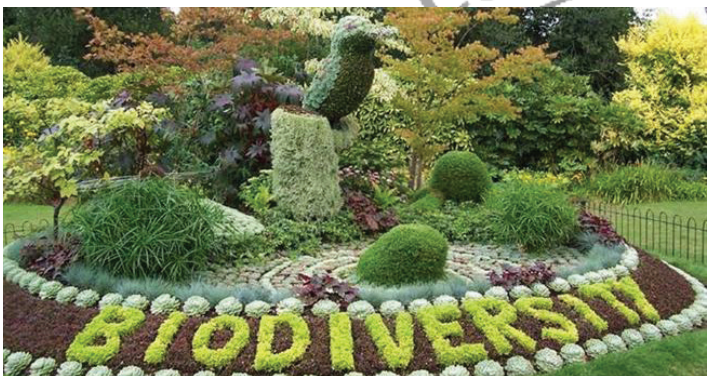

- **सामुद्रिक प्रवाल प्रजातियाँ :** यहाँ 555 प्रकार के प्रवाल पाए जाते हैं जिन्हें वन्यजीवन सुरक्षा अधिनियम में अधिसूचित किया गया है।
- **संकटग्रस्त समुद्री जीव :** अंडमान-निकोबार में 10 प्रकार के समुद्री जीव पाए जाते हैं जैसे- डुबोंग/सी काऊ, हिन्द-प्रशांत, हम्पबैक डॉलफिन। ये सभी पशु IUCN द्वारा संकटग्रस्त घोषित हैं।

द्वीपसमूह का क्षेत्रफल, बनावट एवं इसके निवासी

- अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह में 572 द्वीप, लघुद्वीप एवं समुद्र में उभरी हुई चट्टानें हैं।
- इस द्वीपसमूह का सम्पूर्ण क्षेत्रफल 8,249 वर्ग किलोमीटर है। यहाँ चार लाख से कम ही लोग रहते हैं।
- इन लोगों में कुछ ऐसे कबीले हैं जो विशेष रूप से संकटग्रस्त माने गये हैं। ये हैं- ग्रेट अंडमानी, ओंगे, जरावा, सेंटेनली, निकोबारी और शोम्पेन।

दुधवा व्याघ्र अभयारण्य और सशस्त्र सीमा बल

बिजनेस स्टैण्डर्ड, द हिन्दू (25 Nov.)

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में दुधवा व्याघ्र अभयारण्य और सशस्त्र सीमा बल (SSB) ने यह निर्णय लिया है कि वे दुधवा वनों और इनके समृद्ध वन्यजीवन को संयुक्त रूप से सुरक्षा प्रदान करेंगे।

सुरक्षा के लिए क्या किया जायेगा?

- नियमित अंतराल पर सेइस अभयारण्य में पहरेदारी की जायेगी जिसमें सशस्त्र सीमा बल, विशेष व्याघ्र सुरक्षा बल तथा दुधवा व्याघ्र अभयारण्य के कर्मचारी सम्मिलित होंगे।
- वन्यजीवन की गतिविधियों और जंगल के अपराधियों के विषय में गुप्त सूचना एवं जानकारी को आपस में विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच आदान-प्रदान के कार्य पर विशेष बल दिया जाएगा।

दुधवा व्याघ्र अभयारण्य

- यह एक सुरक्षित क्षेत्र है जो उत्तर प्रदेश में मुख्य रूप से लखीमपुर खेरी और बहराइच जिलों में फैला हुआ है।
- इसके अंतर्गत दुधवा राष्ट्रीय उद्यान, किशनपुर वन्यजीवन अभयारण्य तथा कतरनियाघाट वन्यजीव अभयारण्य आते हैं।
- इस अभयारण्य की पूर्वोत्तर सीमा नेपाल से मिलती है। मोटे तौर पर इस अभयारण्य को मोहना नदी नेपाल से अलग करती है।

- इस क्षेत्र की मिट्टी तराई जलोढ़ मिट्टी है। यह एक मैदानी क्षेत्र है जिसमें दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर बहने वाली कई नदियाँ और नाले हैं।

Sashastra Seema Bal
Ministry of Home Affairs

- यहाँ बाघ तो हैं ही, साथ ही यहाँ कई पशु भी रहते हैं, जैसे- दलदली हिरण, सांबर हिरण, भौंकने वाला हिरण, चित्तेदार हिरण, हॉग हिरण, गैंडा, आलसी भालू, रैटल, गीदड़, कस्तूरी बिलाव, जंगली बिलाव, मछली मार विलाव आदि।

सशस्त्र सीमा बल

- सशस्त्र सीमा बल एक केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बल है जिसका काम नेपाल और भूटान से सटी देश की सीमा की रक्षा करना है।
- इसकी स्थापना 1963 में हुई थी।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।
- इस बल पर गृह मंत्रालय का प्रशासनिक नियंत्रण है।

पैसा पोर्टल का शुभारंभ

फाइनेंसियल एक्सप्रेस, बिजनेस स्टैण्डर्ड (26 Nov.)

संदर्भ

- हाल ही में केंद्र सरकार ने छोटे कारोबारियों को सस्ता लोन और ब्याज दर में छूट के लिए 'पैसा' पोर्टल का शुभारंभ किया है।
- यह पोर्टल आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने शुरू किया है।
- केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने इस पोर्टल का लोर्कापण करने के बाद कहा कि 'पैसा' पोर्टल से लोगों को कारोबार के लिए सस्ता ऋण हासिल करने और ब्याज पर छूट लेने में आसानी होगी।
- यह पोर्टल मंत्रालय द्वारा शहरी स्थानीय निकायों के लिए ऋण सुविधा और नगर नियोजन पर दिनभर चली कार्यशाला के दौरान इस पोर्टल का शुभारंभ किया गया।

National Urban Livelihoods Mission
Ministry of Housing & Urban Poverty Alleviation

क्या है?

- यह पोर्टल दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत लाभार्थियों को बैंक लोन पर ब्याज अनुदान की प्रोसेसिंग के लिए एक केंद्रीयकृत इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म है।
- इस वेब प्लेटफॉर्म को इलाहाबाद बैंक ने तैयार किया है। इलाहाबाद बैंक को इसका नोडल बैंक बनाया गया है।

- इस पोर्टल के जरिए योजना के लाभार्थी सीधे सरकार से जुड़ सकेंगे और सेवाओं की आपूर्ति में पारदर्शिता और कुशलता आएगी। इससे छोटे कारोबारियों को समय पर मदद मिल सकेगी।
- वर्ष 2018 के अंत तक सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारें इससे जुड़ जाएगीं। इसके अलावा वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों को भी इससे जोड़ा जाएगा।

51,177 लाख रुपए का लोन स्वीकृत

- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत अभी तक कुल 36258 लाभार्थियों के लिए 51,177 लाख रुपए का लोन स्वीकृत किया गया है। इसमें 16577 महिला लाभार्थी भी शामिल हैं।
- लाभार्थियों को अभी तक ब्याज में 145 लाख रुपए की राहत भी दी जा चुकी है।

रक्षा ज्ञान शक्ति

पीआईबी, बिजनेस स्टैण्डर्ड (27 Nov.)

संदर्भ

- हाल ही में भारत की रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने 27 नवंबर, 2018 को मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति का शुभारंभ किया।
- इस मिशन का उद्देश्य रक्षा उद्योग में आविष्कार और नए उत्पादों के विकास को प्रोत्साहित करना है।
- रक्षा मंत्री ने मिशन मोड प्रोग्राम के तहत मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति का कार्यक्रम शुरु किया।
- रक्षा मंत्री ने इस मौके पर अपने सम्बोधन में कहा कि बौद्धिक सम्पदा के प्रति चेतना फैलाने की विशेष कोशिश होनी चाहिए।
- हालांकि भारत प्राचीन काल से ही ज्ञान का केन्द्र रहा है लेकिन बौद्धिक सम्पदा के प्रति समुचित चेतना नहीं होने की वजह से देश में सृजनात्मकता का माहौल नहीं बना।

क्या है?

- इस कार्यक्रम में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और आयुध फेक्ट्रियों द्वारा विशेष आविष्कारों तथा नवाचारों को प्रस्तुत किया गया।
- कार्यक्रम में इन उत्पादों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के तहत सफल आवेदनों का भी परिचय दिया गया।
- राष्ट्र के लिए उपयोगी उत्पादों के आविष्कार के संबंध में श्रीमती सीतारमण ने कुछ वैज्ञानिकों का भी स्वागत किया।

- गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय को कार्यक्रम के समन्वय और कार्यान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है।
- कार्यक्रम में इन उत्पादों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार के तहत सफल आवेदनों का भी परिचय दिया गया।
- राष्ट्र के लिए उपयोगी उत्पादों के आविष्कार के संबंध में रक्षा मंत्री ने कुछ वैज्ञानिकों का भी स्वागत किया।
- इस अवसर पर आयोजित परिचर्चा में सभी रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों के अध्यक्ष और महानिदेशकों ने हिस्सा लिया। परिचर्चा में भविष्य के लिए रणनीति पर विचार किया गया।

पृष्ठभूमि

- बौद्धिक सम्पदा के क्षेत्र में भारतीय रक्षा वैज्ञानिको और इंजीनियरों को ट्रेनिंग दी जा रही है।
- इसके तहत अब तक आर्डनेंस फैक्ट्री बोर्ड और सार्वजनिक रक्षा उपक्रमों के दस हजार स्टाफ को ट्रेनिंग दी गई है।
- इसका उद्देश्य भारतीय रक्षानिर्माण में बौद्धिक सम्पदा के प्रति जागरूरता पैदा करना और एक नई संस्कृति का विकास करना है।

संबंधित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः-

1. हाल ही में सुर्खियों में रहें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के साथ-साथ स्तनपान कराने वाली महिलाओं को भी शामिल किया गया।
2. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अन्तर्गत घरेलू महिला, दिहाड़ी महिला मजदूर सहित सार्वजनिक क्षेत्रक उपक्रमों में कार्यकर्ता महिलाओं को नकद राशि प्रदान की जाएगी।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

2. हाल ही में सुर्खियों में रहे 'ओपन ट्रांजिट डाटा' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः-

1. यह एक डिजिटल मंच है, जिसका उद्देश्य क्षण-प्रतिक्षण का डाटा उपलब्ध कराना है, जिसका उपयोग तृतीय पक्ष के ऐप बनाने वाले कर सकते हैं।
2. इस पोर्टल का रूपांकन व निर्माण संयुक्त रूप से आई.आई.आई.टी दिल्ली, आई.आई.टी. दिल्ली व आई.आई.एम. अहमदाबाद ने किया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

GS World Committed To Excellence

3. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना का वर्ष, 2010 में आरम्भ इंदिरा गांधी मातृ सहयोग योजना के नाम से हुआ था।
2. ए.सी.आर.ओ.एस.एस. योजना का लक्ष्य विश्वसनीय मौसम एवं जलवायु पूर्वानुमान की सुविधा प्रदान करना है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

4. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. एटमोस्फेयर एंड क्लाइमेट रिसर्च-मॉडलिंग आबर्जविंग सिस्टम्स एंड सर्विसेज योजना मौसम एवं जलवायु संबंधी विभिन्न पहलुओं जैसे आंधी, चक्रवात आदि की चेतावनी देने संबंधी योजना है।
2. सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशा विधेयक, 2018 स्वास्थ्य सेवा प्रोफेशनलों द्वारा दी जाने वाली शिक्षा एवं सेवाओं के नियमन व मानकीकरण से संबंधित है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

5. **सहयोगी एवं स्वास्थ्य सेवा पेशा विधेयक, 2018 के कार्यों के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. नीतियों और मानकों का निर्धारण
2. पेशेवर आचरण के लिए नियम बनाना
4. पेशे में प्रवेश के लिए जाँच परीक्षा का प्रावधान

उपर्यक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) 1 और 2
(c) 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

6. **निम्नलिखित में से अंडमान-निकोबार में पाए जाने वाला वह कौन-सा पक्षी है, जो भूमि पर घोंसला बनाती है?**

(a) नारकोंडम हॉर्नबिल
(b) निकोबार मेगापोड
(c) अंडमान डे गीको
(d) उपर्युक्त सभी

7. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. भारतीय प्राणि सर्वेक्षण प्रतिवेदन में पहली बार अंडमान निकोबार द्वीपसमूहों में पाई जाने वाली सभी पशु -प्रजातियों को शामिल किया गया।
2. अंडमान निकोबार द्वीपसमूह भारतीय भू-भाग का एक चौथाई भाग घेरे हुए है किन्तु पशु प्रजातियों के सन्दर्भ में काफी धनी है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1, न ही 2

8. **निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. दुधवा टाइगर रिजर्व उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी व बहराइच जिलों में फैला है।
2. दुधवा टाइगर रिजर्व की पूर्वोत्तर सीमा चीन से लगी हुई है, जिसे मोहना नदी अलग करती है।
3. वन्यजीव की गतिविधियों व जंगल के अपराधियों से सुरक्षा के लिए सीमा सुरक्षा बल व दुधवा व्याघ्र अभ्यारण्य के कर्मचारी संयुक्त रूप से सुरक्षा प्रदान करेंगे।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) सभी सत्य है।

9. **हाल ही में सुर्खियों में रहे 'पैसा पोर्टल' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. यह पोर्टल आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने प्रारम्भ किया है।
2. इसके माध्यम से छोटे कारोबारियों को सस्ता लोन व ब्याज दर में छूट प्रदान की जाएगी।
3. भारतीय स्टेट बैंक को इसका नोडल बैंक बनाया गया है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 2
(b) 1 और 2
(c) 2 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

10. **हाल ही में चर्चा में रहें 'मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

1. इस मिशन का उद्देश्य उद्योग में आविष्कार और नए उत्पादों के विकास को प्रोत्साहित करना है।
2. इस मिशन को रक्षा मंत्री ने 'मिशन मोड कार्यक्रम' के तहत शुरू किया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

GS World
Committed To Excellence